अनुक्रमणिका

भूमिका 1–8

अध्याय – 1 9–29

शरतचन्द्र एवं प्रेमचंद की भूमिकाएं

i)स्वाधीनता आंदोलन की विविधता : बंगाल और संयुक्त प्रांत

ii)शरतचन्द्र की व्यक्तिगत हिस्सेदारी

iii)प्रेमचन्द की व्यक्तिगत हिस्सेदारी

अध्याय –2 30–51

शरतचन्द्र और प्रेमचंद के विचार

i)शरतचन्द्र की स्वाधीनता सम्बंधी अंतर्दृष्टि

ii)प्रेमचंद की दृष्टि में स्वराज्य का अर्थ और स्वरूप

iii)विचारों में क्रमिक विकास

अध्याय – 3 52–90

राष्ट्रवादी चेतना

i)राष्ट्र, राष्ट्रवाद और उसकी समस्याएं

ii)राष्ट्रवादी चेतना का स्वरूप

- स्वदेश प्रेम
- स्वदेशी आंदोलन
- सत्याग्रह और अहिंसा
- समाजवादी चेतना की संभावनाएं
- भारतीय संस्कृति का आदर्श

अध्याय – 4 91–126

राजनीतिक समस्याएं

i)सामंतवादी प्रथा

ii)महाजनी सभ्यता' तथा किसान और मजदूर

iii)साम्राज्यवाद विरोधी चेतना

iv)साम्प्रदायिकता का प्रश्न

अध्याय – 5 127–150

सामाजिक समस्याएं

i)स्त्री स्वाधीनता– पराधीनता का प्रश्न

ii) शिक्षा और संस्कृति से संबंधित सवाल

iii)जाति–पाति और दलित प्रश्न

अध्याय –6 151–184

किसान जीवन की समस्याएं और स्वाधीनता का प्रश्न

1.लगान की समस्या

2.सूदखोरी और ऋण की समस्या

3.भयानक अकाल

4.गांधीयुग का आरंभ और किसानों का राष्ट्रीय आंदोलन से जुड़ाव

अध्याय –7 185–192

शरतचन्द्र और प्रेमचंद के उपन्यासों का तुलनात्मक मूल्यांकन

संदर्भ सूची 193–197